



BHARAT DYNAMICS LIMITED
(A Govt. of India Enterprise under Ministry of Defence)
Corporate Office, Gachibowli – Hyderabad – 500 032

MEDIA RELEASE

BDL/104/BD-CC/06

21 Nov 2020

Delivery of first Varunastra Flagged off

Dr G. Satheesh Reddy, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman, DRDO flagged off the first Varunastra, the Heavy Weight Torpedo, being delivered to the Indian Navy, at a ceremony held at BDL, Visakhapatnam Unit today.

Foundation stone was also laid by Secretary, Department of Defence R&D and Chairman, DRDO for setting up of state-of-the-art Central Stores at BDL, Visakhapatnam Unit.

Vice Admiral K. Srinivas, AVSM, NM, VSM Project Director, Ship Building Centre, Dr. Samir V. Kamat, Distinguished Scientist & Director General, Naval Systems & Materials (NS&M), DRDO, Dr OR Nandagopan, Outstanding Scientist & Director, Naval Science & Technological Laboratory and other dignitaries from DRDO were present.

Commodore Siddharth Mishra (Retd), Chairman and Managing Director, BDL, Shri N P Diwakar, Director (Technical), BDL and other senior officials from the Company were also present.

Varunastra or the Heavy Weight Torpedo has been designed and developed by NSTL, Visakhapatnam. BDL, being the Production Agency, is manufacturing Varunastra at its Visakhapatnam Unit for the Indian Navy. This product is also being offered for export.

BDL is associated with DRDO for its various Missile Programmes. BDL is the Production Agency for Quick Reaction Surface to Air Missile (QRSAM), for which, trials were conducted successfully recently.

BDL is also the Production Agency for Astra Air- to- Air Missile System and has commenced manufacturing of these missiles. The missile system will be fully indigenous and has been developed by the DRDO for the Indian Air Force.

Dr Satheesh Reddy, Chairman DRDO during his address appreciated the synergy between all stakeholders, especially the design agency NSTL and the production agency BDL in completion of the manufacture of the first Varunastra. He also brought out that BDL should gear up for new programs of ALWT and EHWT.

Comde Siddharth Mishra, CMD BDL brought out that BDL is poised to take on the manufacture of futuristic weapon systems. Towards this the BDL team is committed to hone new skills and create the necessary infrastructure.



Dr G. Satheesh Reddy, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman, DRDO flagging off the first Varunastra, the Heavy Weight Torpedo, being delivered to the Indian Navy, at BDL, Visakhapatnam Unit on 21 Nov 2020. Also present on the occasion were Vice Admiral K. Srinivas, AVSM, NM, VSM Project Director, Ship Building Centre, Dr. Samir V. Kamat, Distinguished Scientist & Director General, Naval Systems & Materials (NS&M), DRDO, Dr OR Nandagopan, Outstanding Scientist & Director, Naval Science & Technological Laboratory, other dignitaries from DRDO and Commodore Siddharth Mishra (Retd), CMD, Shri N P Diwakar, Director (Technical) and other senior officials from BDL.



Dr G. Satheesh Reddy, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman, DRDO laid the foundation stone for setting up of state-of-the-art Central Stores on 21 Nov 2020 at BDL, Visakhapatnam Unit. Also present on the occasion were Vice Admiral K. Srinivas, AVSM, NM, VSM Project Director, Ship Building Centre, Dr. Samir V. Kamat, Distinguished Scientist & Director General, Naval Systems & Materials (NS&M), DRDO, Dr OR Nandagopan, Outstanding Scientist & Director, Naval Science & Technological Laboratory and other dignitaries from DRDO and Commodore Siddharth Mishra (Retd), CMD, Shri N P Diwakar, Director (Technical) and other senior officials from BDL.



Dr G. Satheesh Reddy, Secretary, Department of Defence R&D and Chairman, DRDO during his visit to manufacturing facilities at BDL, Visakhapatnam accompanied by Vice Admiral K. Srinivas, AVSM, NM, VSM Project Director, Ship Building Centre, Dr. Samir V. Kamat, Distinguished Scientist & Director General, Naval Systems & Materials (NS&M), DRDO, Dr OR Nandagopan, Outstanding Scientist & Director, Naval Science & Technological Laboratory and other dignitaries from DRDO and Commodore Siddharth Mishra (Retd), CMD, Shri N P Diwakar, Director (Technical) and other senior officials from BDL.

---XXX---

.

भारत डायनामिक्स लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)

निगम कार्यालय, गच्छीबाउली - हैदराबाद - 500 032

विज्ञप्ति प्रकाशनार्थ

बीडीएल / 104 / BD-सीसी / 06

21 नवंबर, 2020

पहले वरुणास्त्र को दिखायी गयी झंडी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव डॉ जी सतीश रेड्डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने बी डी एल की विशाखापट्टनम इकाई में नौसेना के लिये तैयार पहले वरुणास्त्र (हेवी वेट टॉरपीडो) को एक खास कार्यक्रम के दौरान झंडी दिखाकर रवाना किया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव ने बी डी एल विशाखापट्टनम इकाई में उत्कृष्ट तकनीक से तैयार किये जाने वाले केंद्रीय भंडार की भी नींव रखी।

इस अवसर पर शिप बिल्डिंग सेंटर के परियोजना निदेशक वाइस एडमिरल के श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम, डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक, नौसेना प्रणाली और सामग्री (NS & M), डी आर डी ओ, डॉ ओ आर नंदगोपन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला सहित डी आर डी ओ से अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

साथ ही उद्यम की ओर से कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीडीएल, श्री एन पी दिवाकर, निदेशक (तकनीकी), बीडीएल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

वरुणास्त्र या भारी टारपीडो एन एस टी एल द्वारा भारतीय नौसेना के लिये विकसित किया गया है जिसे इसके उत्पादन अभिकरण के रूप में बी डी एल विशाखापट्टनम द्वारा बनाया जा रहा है और यह निर्यात करने के लिये भी प्रस्तावित है।

बी डी एल, डी आर डी ओ के साथ विभिन्न मिसाइल कार्यक्रमों से जुड़ा है। इसके अंतर्गत बी डी एल त्वरित प्रतिकारी ज़मीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल क्यू आर एस ए एम के लिए उत्पादन एजेंसी है और इसके हाल ही में किये गये परीक्षण सफल रहे हैं।

पृष्ठ 2

बी डी एल हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अस्त्र के लिये भी उत्पादन अभिकरण है और इन मिसाइलों का बनाने का काम भी शुरू किया गया है। यह मिसाइल सिस्टम पूरी तरह से देशी है और डी आर डी ने इसे भारतीय वायु सेना के लिये तैयार किया है।

डॉ सतीश रेड्डी, अध्यक्ष डीआरडीओ ने अपने संबोधन के दौरान पहले वरुणास्त्र का निर्माण कार्य पूरा करने में सभी हितधारकों, विशेष रूप से डिजाइन एजेंसी एन एस टी एल और उत्पादन अभिकरण बी डी एल के बीच तालमेल की सराहना की। उन्होंने ALWT और EHWT के नये कामकाज के लिये बीडीएल को तैयार रहने के लिये कहा।

Cmde सिद्धार्थ मिश्रा, सी एम डी, बी डी एल ने बताया कि कहा कि बी डी एल भविष्य में आने वाली सभी अस्त्र प्रणालियों के निर्माण लिये तैयार है। इसके लिए बीडीएल टीम नए कौशल की प्राप्ति कर आवश्यक बुनियादी ढाँचा तैयार करने के लिये प्रतिबद्ध है।



रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव डॉ जी सतीश रेड्डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ दि. 21 नवंबर 2020 को बी डी एल विशाखापट्टनम यूनिट में भारतीय नौसेना के लिए तैयार पहले वरुणास्त्र, हेवी वेट टॉरपीडो को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

इस अवसर पर उपस्थित वाइस एडमिरल के श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम परियोजना निदेशक, पोत निर्माण केन्द्र, डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक, नौसेना प्रणाली और सामग्री (एनएस एंड एम), डीआरडीओ, डॉ ओर आर नंदगोपन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला तथा डी आर डी ओ के अन्य गणमान्य अतिथि सहित कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.), सीएमडी, श्री एनपी दिवाकर, निदेशक (तकनीकी) और बीडीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी।



दि. 21 नवंबर 2020 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी विशाखापट्टनम इकाई में अत्याधुनिक सेंट्रल स्टोर्स की आधारशिला रखते हुए।

इस अवसर पर उपस्थित वाइस एडमिरल के श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम परियोजना निदेशक, पोत निर्माण केन्द्र, डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक, नौसेना प्रणाली और सामग्री (NS & M), डी आर डी ओ, डॉ ओ आर नंदगोपन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला व अन्य गणमान्य व्यक्ति सहित कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.), सीएमडी, श्री एनपी दिवाकर, निदेशक (तकनीकी) और बीडीएल से अन्य वरिष्ठ अधिकारी।



रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी बी डी एल विशाखापट्टनम के दौरे के दौरान विनिर्माण सुविधाओं का अवलोकन करते हुए। साथ में हैं वाइस एडमिरल के श्रीनिवास, एवीएसएम, एनएम, वीएसएम परियोजना निदेशक, पोत निर्माण केन्द्र, डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक, नौसेना प्रणाली और सामग्री (NS & M), डी आर डी ओ, डॉ ओ आर नंदगोपन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला व अन्य गणमान्य व्यक्ति सहित कमोडोर सिद्धार्थ मिश्र (से.नि.), सीएमडी, श्री एनपी दिवाकर, निदेशक (तकनीकी) और बीडीएल से अन्य वरिष्ठ अधिकारी।